Leaflet Details

CIR-287132/2023-Aureofungin (SP) (445)-29
Aureofungin 46.15% SP
(Systemic Fungicide)

Aureofungin 46.15% W.V is used for seed treatment as well as for foliar sprays. It is recommended against the plant diseases Guminosis on Citrus Crop.

Recommendation

Crop(s)	Common Name of Pest	Dosage/HA		Dilution in Water (Ltr.)	Waiting Period between last spray to harvest Days	Re-entry after each Application (In Hours)
		AI	Formulation %			
Apple	White root rot		0.2%	5-10 injection2 gm/tree		
	Powdery mildew		0.005%	10 lit/tree	-	
	White root rot		0.2%	5-10 injection(2 gm/tree)	30	
	Powdery mildew		0.005%	10 lit/tree	-	
Citrus	Guminosis		1.0%	750(soil drench)	30	
Cumin	Blight		0.02%	750	30	
	Powdery mildew		0.02%	750	30	
Grapes	Anthracnose		0.005%	750	-	
	Anthracnose		0.005%	750		
	Downy mildew		0.005%	750	15	
	Downy mildew		0.005%	750	15	
Paddy	Brown leaf spot		0.005%	500	-	
	Blast		0.005%	500	30	
Potato	Early blight		0.005%	750	30	

Direction Of Use

PP Equipment :-- Manually operated or power driven seed dressing should be used for thorough mixing of Aureofungin sol. High volume operated sprayer like Knapsack sprayer and Rocking sprayer may also be used.

Time of Application

Precautions

1. Keep away from foodstuffs, empty foodstuff containers and animals feed.

2. Avoid contact with mouth, eyes and skin.

3. Avoid inhalation the spray mist. Spray in the direction of wind.

4 . Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying.

5. Do not smoke, drink, eat and chew anything while spraying.

6. Wear full protective clothing while mixing and spraying.

Symptoms Of Poisoning

Oral ingestion of large dose may lead to epigastric pain, nausea, vomiting and diarrhoea. Due to individual sensitivity, reactions like urticaria, skin eruptions, pain, eosinophitia and acture anaphylactic shock can occur. Contact dermatitis may develop in sensative people.

First Aid

1. If swallowed, induce vomiting by tickling the back of throat. Repeat it until the vomitus is clear. Do not induce vomiting if the patient is unconscious.

2. If clothing and skin are contaminated, remove the cloths and wash the contaminate skin with copious amount of soap and water.

3. If eyes are contaiminated, flush with plenty of saline/clean water for about 10 to 15 minutes.

4. If inhaled, remove the patient to fresh air.

Phytotoxicity

Antidote

Treat symptomatically. No specific antidote is known.

Disposal Of Used Container

1. Empty containers shall be broken & burried away from habitation.

2. The user should container or packages shall not be left outside to prevent their re-use.

3. Packages or surplus material & washing should be disposed off in a safe manner as to prevent environmental or water pollution.

Storage Conditions

1. The packages containing the material shall be stored in separate rooms or premises away from the room or premises for storing other articles or shall be kept in separate almirahs under lock key depending upon the quantity and nature off material .

2. The room or premises meant for storing the material shall be well built, dry well - lit, ventilated and of sufficient dimensions to avoid contamination with vapours.

Chemical Composition

S.No	Ingredient	Description	Weight
1	Aureofungin technical		46.15 % w/w
2	Sodium lauryl sulphate		30.78 % w/w
3	Sodium carbonate		23.07 % w/w
		Total	100 % w/w

Manufactured By

M/s AQUARIUS AGRO CHEMICALS

Plot No 159, Phase B, Old Survey No. 111/1, New Survey No. 463, Golden Green Industrial Park, Khambha, Rajkot-360311 GUJARAT

Manufacturer Premises Address

PLOT NO 159, PHASE B, OLD SURVEY NO. 111/1, NEW SURVEY NO. 463, GOLDEN GREEN INDUSTRIAL PARK, KHAMBHA, RAJKOT-360311 GUJARA

पत्रक विवरण

CIR-287132/2023-Aureofungin (SP) (445)-29

ऐरीयोफुंगीन एस.पी 46.15 प्रति.(अंततः फफूंदनाशक एन्टीबायोटिक)

(अंर्तप्रवाही फफूंदीनाशक)

ऐरीयफुंगीन एस. पी शोधन व पौधो के ऊपर स्प्रे किया जाता है इससे जड़ो का भी शोधन किया जाता है यह नींबू पर गोंद रोग को रोकने के लिए मुख्यतः इस्तेमाल किया जाता है।

उपयोग

फ़सल	कीट के नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा		पानी की मात्रा (लीटर)	अन्तिम छिडकाव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल दिन	पुनः प्रवेश की अवधि प्रत्येक छिड़काव के बाद (घंटे)
		स. तत्व	संरचना %			
सेब	विगलन रोग		0.2 प्रतिशत	5/10 इंजेक्शन (2ग्राम/प्रति पेड)		
	मृदूरोमिल फफूंदी		0.005 प्रतिशत	10 लीटर/पेड़		
	विगलन रोग		0.2%	5/10 इंजेक्शन (2ग्राम/प्रति पेड)	30	
	मृदरोमिल फफूंदी		0.005 प्रतिशत	10 लीटर/पेड़	-	
नींबू	गोंद रोग		1.0 प्रतिशत	750 'जमीन को गोला करके'	30	
जीरा	पर्ण अंगमारी		0.02 प्रतिशत	750	30	
	चूर्णी फफूंदी		0.02 प्रतिशत	750	30	
अंगूर	रूक्ष रोग		0.005 प्रतिशत	750	-	
	रूक्ष रोग		0.005 प्रतिशत	750		

फ़सल	कीट के नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा		पानी की मात्रा (लीटर)	अन्तिम छिडकाव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल दिन	पुन: प्रवेश की अवधि प्रत्येक छिड़काव के बाद (घंटे)
		स. तत्व	संरचना %			
	मृदरोमिल फफूंदी		0.005 प्रतिशत	750	15	
	मृदरोमिल फफूंदी		0.005 प्रतिशत	750	15	
धान	टिक्का रोग		0.005 प्रतिशत	500	-	
	सहसामारी रोग		0.005	500	30	
आलू	अंगेती रोग		0.005 प्रतिशत	750	30	

उपयोग के लिए दिशा-निर्देश

ऐरीयफुंगीन एस. पी से बीज को अच्छी तरह से उपचारित करने के लिये मनुष्य चलित या शक्ति चलित बीज-शोधन ड्रम का उपयोग करें। तेज शक्ति के प्रयोग के लिये छिड़काव यंत्र जैसे नेपसैक स्प्रेयर व राकिंग स्प्रेयर का प्रयोग कर सकते हैं।

प्रयोग का समय

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां

1. खाघ सामग्री, खाघ सामग्री के खाली बर्तन और पशुओ के चारे से दूर रखें।

2. मुंह, त्वचा और आंखों के संम्पर्क से बचायें।

3. छिडकाव की वाष्प को सांस द्वारा अन्दर जाने से बचायें। हवा की दिशा मे छिडकाव करें।

4. छिडकाव के बाद दूषित कपडो और शरीर के अंगो को अच्छी तरह धोएं।

5. छिडकाव के समय धूम्रपान, खाना, पीना और कुछ चबाना नहीं चाहिए।

6. छिडकाव करते या मिलाते समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपडे पहनें।

विष के लक्षण

बड़ी मात्रा में निगलने पर पेट में दर्द (एपीगैस्ट्रीक दर्द), मिचली, उल्टी तथा दस्त लग सकते हैं । निजी संवेदन पर निर्भर करते हुए आर्टिकोरिया, त्वचा में डबाल, इसोनोफिलिया तथा तेज एनाफायलिटिक शॉक जैसी प्रतिक्रिया त्वचा में उत्पन्न हो सकती हैं।

प्राथमिक चिकित्सा

1. यदि निगल जाये तो गले के पीछे गुदगुदी करके उल्टी करायें यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उल्टी द्वारा

निकला पदार्थ साफ न हो जाए। यदि मरीज बेहोश हो तो उल्टी न करायें।

2. यदि कपडे और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपडें उतार दे और त्वाचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं।

3. यदि आंखे दूषित हो जाये तो उनको काफी मात्रा में सैलाइन/साफ पानी से लगभग 10-15 मिनट तक धोएं।

4. यदि सांस द्वारा अन्दर गया हो तो रोगी को शुद्ध हवा में ले जायें।

पौधविशाक्तता

विष नाशक

लक्षणानुसार चिकित्सा करें । कोई विशिष्ट विष नाशक नही है।

खाली डिब्बों का निपटारा

1. कीटनाशक निर्माताओं या उपयोग कर्ता का कर्तव्य है कि पैकेज, मशीन की धुलाई बची हुई सामग्री आदि की निकासी की व्वस्था ऐसी सुरक्षित से करना चाहिए, ताकि इनसे पानी वातावरण व चारे दुषित न हो

2. खाली डिब्बो और पैकेजो को तोडकर आबादी से दूर गाड देना चाहिए । खाली डिब्बों को तोडकर जमीन मे 50 से. मी. नीचे गाड दे जहॉ भूमिगत पानी न हो । खाघ पदार्थ और पानी रखने के लिए खाली डिब्बों का उपयोग न करे ।

3. खाली डिब्बों को दुबारा काम में लेना रोकने के बाहर न छोडें ।

संग्रहण की शर्ते

1. कीटनाशक के पैकजो को अलग - अलग कमरो या जगहो मे खाघ पदार्थ रखें जाने वालो कमरो अथवा जगहो से अलग - अलग आलमारीयो मे ताला चाबी के अंदर रखा जाना चाहिए ।

2. जिस जगह या कमरे मे कीटनाशक का भंडारण करना हो वही अच्छी तरह बना हूआ सूखा, हवादार, प्रकाशयुक्त व पर्याप्त लम्बा चौडा होना चाहिए जिससे की कीटनाशक के भाप प्रदूषण होने का डर न होने पाये ।

रासायनिक संरचना

क्रमांक	घटक	विवरण	वज़न
1	ऐरीयोफुंगीन टैक्निकल		46.15 % भार/भार
2	सोडियम लाउरिल सल्फेट		30.78 % भार/भार
3	सोडियम कार्बोनेट		23.07 % भार/भार
		कुल	100 % w/w

निर्माता

अंग्रेजी मे लिखे अनुसार

उत्पादन परिसर

अंग्रेजी मे लिखे अनुसार

Digitally signed by SANJAY ARYA
Date: 2023.03.22 15:43:07
Location: CIB&RC,NH4,CGO Complex,Faridabad.
Designation: Secretary (CIB&RC)